विधायक ने 33.23 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

- व्यस्ततम धरमपुरा मार्ग चौड़ीकरण कार्य प्रारंभ
- अग्रेसन चौक से पल्ली नाका तक 5 किमी सड़क चौड़ीकरण की बहुप्रतीक्षित मांग हो रही पूरी
- व्यवस्थित जगदलपुर शहर का संकल्प साकार रूप ले रहा, जनता की जरूरी मांगों को पूर्ण करना प्राथमिकता - किरण देव

जगदलपुर,1मई (दण्डकारण्य समाचार)।जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र में नगर पालिक निगम में करोड़ों के निर्माण कार्यों का क्षेत्रवासियों को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने दी सौगात। जगदलपुर की जनता की बहुप्रतीक्षित मांग अग्रसेन चौक से पल्ली नाका तक सड़क निर्माण 5 किलोमीटर चौड़ीकरण निर्माण कार्य लागत 27 करोड़ 91 लाख रूपए, कैलाश होटल चौक के सामने से हनुमान मंदिर धरमपुरा दलपत सागर तक 1 किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण व मजबूतीकरण कार्य लागत 2 करोड़ 51 लाख रूपए, विवेकानंद आश्रम धरमपुरा से नेगीगुड़ा होते सर्वोदय स्कूल तक 1.45 किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण व मजबूतीकरण कार्य का विधिवत शुभारंभ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री देव एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में विधिवत भूमिपूजन किया गया।

शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने कहा कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद लगातार चौमुखी विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा हमारा सपना अब साकार होने लगा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रदेश में सभी क्षेत्रों में विकास की गंगा बह रही है। हमारे मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री अरूण साव का सहृदय आभार व्यक्त किया। जगदलपुर शहर व ग्रामीण क्षेत्र की देवतुल्य जनता की वर्षो पुरानी बहुप्रतीक्षित मांग रही है । जिसके कार्य का आज विधिवत शुभारंभ किया गया। अग्रसेन चौक से पल्ली नाका तक के सड़क की बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा किया जा रहा है। इस सड़क के निर्माण से जनता को यातायात बाधित की समस्या से निजात मिलेगा। सड़क निर्माण से दुर्घटना नहीं होगी। वहीं कैलाश होटल चौक के सामने से हनुमान मंदिर धरमपुरा चौक तक सड़क चौड़ीकरण व मजबूतीकरण तथा विवेकानंद आश्रम धरमपुरा से नेगीगुड़ा होते सर्वोदय स्कूल तक के सड़क निर्माण कार्य से क्षेत्र की जनता को काफी लाभ मिलेगा।

बस्तर संभाग में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने हो रही सार्थक पहल

- बस्तर के सुखद भविष्य के लिए समन्वय के साथ करेंगे उद्योगों का विकास
- कमिश्नर बस्तर ने नगरनार स्टील प्लांट के अधिकारियों सहित बस्तर चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों की ली बैठक

जगदलपुर, 1 मई (दण्डकारण्य समाचार)। कमिश्नर बस्तर संभाग डोमन सिंह ने कहा कि राज्य शासन की मंशानुरूप बस्तर संभाग में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एनएमडीसी स्टील प्लांट नगरनार तथा स्थानीय उद्यमियों के मध्य बेहतर समन्वय जरूरी है, जिससे स्थानीय स्तर पर सहायक उद्योगों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग स्थापना सहित सेवा उद्योग-व्यवसाय को प्रोत्साहन मिल सके। इन सभी समन्वित प्रयासों से उद्योगों के विकास के साथ ही रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी को बल मिलेगा और बस्तर एक सुखद भविष्य की ओर अग्रसर होगा। कमिश्नर बस्तर संभाग डोमन सिंह बुधवार को कमिश्नर कार्यालय के सभागार में एनएमडीसी स्टील प्लांट के अधिकारियों, जिला प्रशासन के अधिकारियों तथा बस्तर चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों की समन्वय बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।

ज्ञात हो कि राज्य शासन द्वारा बस्तर में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में विशेष प्रावधान किए गए हैं। इस दिशा में अभी हाल ही में जगदलपुर में आयोजित विकसित बस्तर की ओर परिचर्चा में बस्तर संभाग के विकास में उद्योगों की अहम भूमिका को लेकर व्यापक विचार-विमर्श हुई है। जिसे मूर्त रूप देने के लिए बस्तर संभाग में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ खनिज आधारित, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण और पर्यटन उद्योगों की असीमित संभावनाओं को साकार करने का रोडमैप तैयार किया गया है। बुधवार को आयोजित बैठक में बस्तर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष श्याम सोमानी ने नगरनार स्टील प्लांट के रिकार्ड उत्पादन के लिए एनएमडीसी स्टील प्लांट के अधिकारियों को बधाई देते हुए स्थानीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों और नगरनार स्टील प्लांट की भागीदारी से बस्तर क्षेत्र के विकास के लिए बेहतर औद्योगिक वातावरण निर्मित करने का सुझाव दिया। बैठक के दौरान बस्तर चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों द्वारा दिए गए सुझाव के अनुसार क्षेत्र में लगने वाले स्थानीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को नगरनार स्टील प्लांट के सहायक उद्योग का दर्जा देने एवं सहायक उद्योगों के साथ अनुबंध निष्पादित करने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड को प्रस्ताव भेजने पर सहमति दी गई।

कलेक्टर ने सेमलनार में आयोजित जन चौपाल में ग्रामीणों से की चर्चा

- ग्रामीणों से शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और आवश्यकताओं का लिया संज्ञान
- खाद्यान्न भंडारण में लापरवाही के लिए फूड इंस्पेक्टर को स्पष्टीकरण देने के दिए निर्देश

जगदलपुर, 1 मई (दण्डकारण्य समाचार)। प्रशासन द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का आंकलन करने सहित जनसमस्याओं के निराकरण के लिए विकासखंडों में ग्राम पंचायतों में जनचौपाल का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर हरिस एस ने बुधवार को विकासखण्ड बस्तर के ग्राम पंचायत सेमलनार में आयोजित जन चौपाल का निरीक्षण किया। जन चौपाल में उन्होंने स्कूल की व्यवस्था, शिक्षकों की उपस्थिति, मध्याह्न भोजन की व्यवस्था, बच्चों का जाति प्रमाण पत्र निर्माण की स्थिति, आंगनबाड़ी केंद्रों में पूरक पोषण आहार की उपलब्धता, बच्चों और लक्षित माताओं का स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य जांच, दवाइयों की उपलब्धता, संस्थागत प्रसव, पेयजल व्यवस्था, हैंड पंप, सोलर ड्यूल पंप, जल जीवन मिशन के कार्यों, उचित मूल्य दुकान में खाद्यान्न सामग्री की नियमित उपलब्धता, बिजली की उपलब्धता, राजस्व और पंचायत विभाग के मैदानी अमलों की ग्राम पंचायत में उपस्थिति, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के योजनाओं, मनरेगा, पीएम आवास योजना के सर्वे, आवास योजना की प्रगति, सामाजिक पेंशन का भुगतान, पीएम किसान सम्मान निधि के लिए पंजीयन, किसान क्रेडिट कार्ड, आयुष्मान कार्ड के साथ ही ग्रामीण स्तर पर कार्य करने वाले कर्मचारियों की गांव में नियमित उपस्थिति का संज्ञान लिया।

ग्राम पंचायतों में आयोजित जनचौपाल में जिला स्तरीय नोडल अधिकारी सहित विकासखण्ड स्तरीय एवं ग्राम पंचायत स्तरीय अधिकारियों के दलों द्वारा सम्बन्धित ग्राम पंचायतों में शिक्षा, आँगनबाडी, राशन व्यवस्था, जल जीवन मिशन,सड़क, पेयजल, बिजली, स्कूल,आयुष्मान कार्ड की उपलब्धता, स्वास्थ्य जांच इत्यादि मूलभूत सुविधाओं के साथ ही शौचालय, प्रधानमंत्री आवास, सामाजिक सहायता कार्यक्रम पेंशन भुगतान, पशु टीकाकरण स्थिति का जायजा लिया गया। वहीं चौपाल में ग्रामीणों से चर्चा कर मूलभूत आवश्यकताओं की जानकारी ली गई। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत प्रतीक जैन, सीईओ जनपद चुरेंद्र सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विमानन क्षेत्र में रोजगार के विविध अवसरों के संबंध में दी गई जानकारी

जगदलपुर 1 मई (दण्डकारण्य समाचार)। बस्तर संभाग की पहली और एकमात्र एवियशन अकैडमी ÷स्काई विंग्स एवियशन अकैडमी÷ जगदलपुर में विमानन क्षेत्र में रोजगार के विविध अवसरों के संबंध बुधवार को जिले के सभी शासकीय और निजी विद्यालयों के प्राचार्य और शिक्षकों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों व करिअर परामर्श में रुचि रखने वाले सभी को आमंत्रित किया गया था। विद्यालयों के प्राचार्य व शिक्षक विमानन क्षेत्र में करियर व रोजगार की असीम संभावनाओं को देखते हुए करियर मार्गदर्शन व परामर्श का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर जगदलपुर संजय पांडे ,जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल , पत्रकार संघ के अध्यक्ष मनीष गुप्ता , जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अरुण दास उपस्थित रहे। सभी की गरिमामयी उपस्थिति में संस्था में अध्यनरत छात्राओं ने अतिथियों का स्वागत कर उन्हें अपनी पहली उड़ान हवाई मार्ग से हैदराबाद जाने के बारे में बताया। स्काई विंग्स एवियशनअकैडमी की संचालिका श्रीमती सुदत्ता दास ने समस्त गणमान्य अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया और मीडिया से आए पत्रकार बंधुओ को अवगत कराया कि बस्तर जैसे आदिवासी अंचल से भी लड़के व लड़कियां विमानन क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकती है। भविष्य में सभी छोटे छोटे शहर विमान सेवाओं से जुड़ेंगे तब यहाँ के बच्चों को रोजगार के लिये भटकना नहीं पड़ेगा। बहुत सारे रोजगार के अवसर खुलेंगे। 12 वीं उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं इस क्षेत्र में एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स करके आसानी से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान में इस संस्था में अध्ययनरत सभी छात्राओं ने उपस्थित अतिथियों को बताया कि उन्हें इस कोर्स करने में बेहद खुशी हो रही है।

फसल को नजर न लगे इसलिए सूर्योदय के पहले करते हैं धान बोनी

जगदलपुर1 मई (दण्डकारण्य समाचार)। सनातन परंपरा का निर्वहन करते हुए बस्तर का आदिवासी समाज भी अक्षय तृतीया को अक्ती तिहार के रूप में मनाता है। यहां के किसान इस दिन धान बोने की शुरुआत करते हैं, किंतु उनकी धान बोनी और फसल को किसी की नजर न लगे इसलिए सूर्योदय के पहले ही खेत पहुंच धान बोनी कर आते हैं। इतना ही नहीं कितना बड़ा भी किसान हो वह अपने खेतों में बैलों को हल में जोत जरूर चलाता है, चूंकि खेतों में बैलों का खूर लगना शुभ माना जाता है। बस्तर संस्कृतिक रूप से काफी समृद्ध हैं। यहां की परंपराएं भी अद्भुत है। अक्षय तृतीया के दिन यहां के किसान बांस की नई टोकरी से कावड़ बनाते हैं और उसके एक तरफ अमलतास के फूल और पूजन सामग्री तो दूसरी तरफ की टोकरी में धान बीज रखते हैं। बताया गया कि ग्रामीण ऐसा वह इसलिए करते हैं कि धान बोने की उनकी प्रक्रिया को कोई दूसरा न देखें और फसल को नजर न लगे। यह परंपरा वर्षों से बस्तर में व्याप्त है।

बारिश होने से मैदान में भर जाता है पानी

- निकासी की व्यवस्था नहीं

जगदलपुर 1 मई (दण्डकारण्य समाचार) । शहर के लालबाग मैदान में बारिश का पानी भर गया है जिससे न तो लोग वहां टहल पा रहे हैं या आवागमन कर पा रहे है। उसी तरह खिलाड़ी भी खेलकूद से वंचित हो रहे है।

29 अप्रैल दोपहर एवं रात्रि में हुई तेज बारिश के चलते लालबाग मैदान में बारिश का पानी जगह जगह भर गया । इससे जहां आवागमन प्रभावित हो रहा है। वहीं खिलाड़ी खेलने में असमर्थ है। खिलाड़ियों ने बताया कि मैदान से पानी निकासी के लिए न ढाल है न कोई समुचित व्यवस्था जिससे जरा सी बारिश होने से ही मैदान में पानी जमा हो जाता है।इससे अनावश्यक परेशानी खड़ी हो जाती है।

निकासी द्वार बंद होने से पुल के ऊपर भर जाता है बारिश का पानी

जगदलपुर1मई (दण्डकारण्य समाचार) । शहर के निकटस्थ ग्राम पंचायत आड़ावाल के गोरिया बहार पुल के ऊपर बने बारिश के पानी के निकासी द्वार बंद हो गये हैं जिससे बारिश होने पर पूरा पानी पुल के ऊपर जमा हो जाता है।

पुराने गोरिया बहार पुल के ऊपर पानी के निकासी द्वार बनाए गए है लेकिन ये व्दार कचरा, रेत, से जाम हो गये है, जिससे बारिश होने पर पुल के ऊपर पानी जमा हो जाता है। पुल के ऊपर पानी भरा होने के चलते लोगों को एक तो आने जाने में परेशानी होती है वहीं किसी वाहन के गुजरने से पानी के छींटे लोग पर पड़ते है । लोगों को कहना है कि निकासी द्वार साफ रहने से बारिश का पानी आसानी से बह जाता है पुल पर नहीं जमता है लेकिन सफाई नहीं होने कारण ये द्वार कचरा, रेत, से बंद हो जाते है।

शासकीय काकतीय पीजी कॉलेज धरमपुरा में नशामुक्त भारत एवं सड़क सुरक्षा पर जागरूकता कार्यशाला

जगदलपुर, 1 मई (दण्डकारण्य समाचार)। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम एवं नशामुक्त भारत अभियान सहित सड़क सुरक्षा अभियान अंतर्गत कलेक्टर शहरिस एस और पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय टास्क फोर्स बस्तर के सहयोग से राज्य शासन द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुक्रम में नशे में लिप्त बच्चो के चिन्हांकन, सरंक्षण एवं पुनर्वास हेतु राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा जारी एसओपी के अनुसार एक युद्ध नशे के विरुद्ध जागरूकता के लिए गत दिवस शासकीय काकतीय पीजी कॉलेज धरमपुरा जगदलपुर में नशामुक्त भारत अभियान तथा सड़क सुरक्षा अभियान विषय पर जनजागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में किशोर एवं युवा छात्र-छात्राओं को ड्रग्स एवं अन्य स्वापक औषधि का प्रयोग नहीं करने सम्बन्धी विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों द्वारा इन मादक पदार्थों के व्यापक दुष्प्रभावों के बारे में अवगत कराया गया। इस दौरान जिला स्तरीय टास्क फोर्स दल द्वारा पुलिस विभाग, यातायात पुलिस, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, नगरीय प्रशासन, श्रम, स्वास्थ्य, आबकारी, समाज कल्याण विभाग सहित जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाईल्ड लाइन हेल्प डेस्क के अधिकारियों-कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों से समन्वय स्थापित कर उक्त मादक पदार्थों के उपयोग की रोकथाम एवं नशा मुक्ति हेतु तैयार कार्ययोजना के क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं पुलिस विभाग के जवानों द्वारा नशामुक्ति एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता सम्बन्धी लघु नाटिका की संदेशपरक प्रस्तुति दी गई।

संत मुनियों को भोजन कराने के लिए आमंत्रित करने , समाज के लोगों की लगी कतार

जगदलपुर1 मई (दण्डकारण्य समाचार)। अक्षय तृतीया के अवसर पर दिगंबर जैन समाज के द्वारा नगर में पहुंचे। संत मुनियों को भोजन कराने के लिए आमंत्रित करने ,पारंपरिक वेशभूषा में अनेक समूह में एकत्रित होकर मुनियों के संकल्प और नियमों के अनुरूप अपने को प्रदर्शित करने के प्रयास में गुरु नानक चौक से लेकर मेंन रोड के श्रीराम चौक तक रंगोली बनाकर कलश सजाकर अपने-अपने हाथों में कलश और गन्ना एवं अन्य सामान लिए। मुनियों के नियम एवं संकल्प के अनुरूप व्यवहार करने का पूरा प्रयास किया। मुनि गण महावीर भवन से निकले और वे रास्ते पर पारंपरिक वेशभूषा में एकत्रित जनों के आग्रह का अवलोकन किया । सभी मुनियों को नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं कहकर अपने और आकर्षित करने का प्रयास करते रहे। इनमें कुछ समूह सफल हुए उनके साथ मुनि भोजन के लिए प्रस्थान किये।